अपनी किताब की मार्केटिंग भी है जरूरी

सिटी BITE

'एक राइटर को चाहिए कि बुक रिलीज के शुरुआती तीन महीने मार्केटिंग में इन्वेस्ट करे' ऐसे कुछ एक्सपीरियंस नॉवेलिस्ट अश्विन सांघी ने पत्रिका प्लस से शेयर किए।

अब आपकी कौन-सी बुक आने वाली है?

इन दिनों अमरीकन ऑथर जेम्स पैटिसन के कॉलोब्रेशन में बुक 'प्राइवेट इंडिया' लिख रहा हूं, जो एक क्राइम फिक्शन होगी। मेरी फर्स्ट बुक थियोलॉजिकल थ्रिलर थी। सैकंड पॉलिटिकल थ्रिलर और थर्ड माइथोलॉजिकल फिक्शन, लेकिन अब मैं पहली बार हिस्ट्री और माइथोलॉजी से दूर जा रहा हूं। यह बुक सीरियल किलर पर आधारित है, जिसकी स्टोरी इंडिया में मुम्बई, जयपुर, आगरा, दिल्ली जैसे चार-पांच शहरों में ट्रैवल करती है। मुझे जयपुर में जौहरी बाजार का एरिया फेसिनेट करता है, क्योंकि यह मेरी नजर में जयपुर की नस है, इसलिए मेरी किताब के दो सीन जौहरी बाजार पर है।

एंटरप्रेन्योर से राइटर कैसे बने?

दरअसल, जब मैंने पहली बुक लिखी थी, तब तक मैंने कभी एक हजार शब्द से ज्यादा का कोई आर्टिकल नहीं लिखा था। बस, बुक्स बहुत पढ़ी थी, क्योंकि मेरे नानाजी को पढ़ने का शौक था और उनके पास अच्छी-खासी लाइब्रेरी थी और वो मुझे पढ़ने के लिए बुक्स भेजते थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं राइटर बन सकता हूं, लेकिन 2003 में मैं कश्मीर में एक मकबरे पर गया, जिसकी स्टोरी सुनी, तो मेरे रोंगटे खड़े हो गए। फिर मैंने उस पर रिसर्च शुरू किया, तो मेरी पत्नी ने कहा कि आपने इतना रिसर्च कर लिया है, तो क्यों न इसे बुक के रूप में लाते। इस तरह मेरी पहली बुक आई।

अब भी बिजनेस से जुड़े हैं?

सोमवार से शुक्रवार ऑफिस जाता हूं, क्योंकि वो मेरा काम है। राइटिंग अपने लिए करता हूं। हालांकि अब इतनी रॉयल्टी तो आती है कि मैं सिर्फ राइटिंग पर ही फोकस कर सकता हूं, लेकिन मन में डर है कि बहुत ज्यादा कॉमर्शियल हो गया, तो पैशन खो दूंगा।

आपकी किसी बुक पर फिल्म बन रही है?

मेरी बुक 'चाणक्य चैट' के मूवी राइट्स यूटीवी-डिज्नी ने खरीदे हैं। लेकिन यह एनशिएंट और मॉडर्न एरा दोनों की कहानी है। इसे फिल्म में ढालना एक चैलेंज है। मुझे फिल्म की स्क्रिप्टिंग के लिए भी कहा गया है, लेकिन बुक और मूवी अलग-अलग चीज है।